व्हाट नेक्स्ट फॉर ब्रेक्ज़िट

"ब्रिटेन के लिए यूरोपीय संघ से दूर जाने की समय सीमा नजदीक आने के साथ, प्रधानमंत्री थेरेसा मे के प्रस्तावों को संसद द्वारा फिर से अस्वीकार कर दिया गया है।"

29 मार्च की निर्धारित तारीख में अब दो सप्ताह से भी कम समय बचा है और अभी तक ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से बाहर निकलने की सोच अनिश्चितता के दौर में है। पिछले एक सप्ताह में कई घटनाक्रमों ने कई संभावनाओं को उजागर किया है। क्या ब्रिटेन और यूरोपीय संघ एक विस्तारित समय सीमा को पुन: प्राप्त करने में सक्षम होंगे? क्या ब्रिटेन बिना समझौते के निकल पाएगा? क्या यह संभव है कि ब्रिटिश नागरिक एक नए जनमत संग्रह में मतदान करेंगे? इस आलेख में इन्हीं सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश की गयी हैं।

ब्रेक्ज़िट पर अब तक क्या हुआ है?

23 जून, 2016 को एक जनमत संग्रह में, ब्रिटिश नागरिकों ने ईयू छोड़ने के पक्ष में कम मतदान किया, अर्थात 52% से 48%। ब्रिटेन 29 मार्च, 2019 को यूरोपीय संघ से बाहर निकल रहा है। विभिन्न पहलुओं में, यूके और यूरोपीय संघ को व्यापार सौदा करने और व्यवसाय को समायोजित करने का समय देने के लिए एक संक्रमण अवधि पर सहमति हुई है।

नवंबर 2018 में, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ बाहर निकलने की शर्तों पर सहमत हुए, जिन्हें वापसी समझौते के रूप में जाना जाता है। हालाँकि, इस समझौते पर इस साल दो बार सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया है जो दर्शाता है कि यह ब्रिटिश संसद को मनाने में विफल रहा है। 15 जनवरी को, उन्होंने समझौते को अस्वीकार करने के लिए 432-202 वोट दिए। प्रधानमंत्री थेरेसा मे ने यूरोपीय संघ के साथ कुछ शर्तों को फिर से जोड़ा, लेकिन 12 मार्च को, सांसदों ने फिर से समझौते के खिलाफ मतदान किया। अगले दिन, सांसदों ने बिना किसी समझौते के यूरोपीय संघ छोड़ने का विचार खारिज कर दिया। फिर 14 मार्च को, उन्होंने प्रधानमंत्री मे के पक्ष में 413-202 वोट दिए और यूरोपीय संघ से ब्रेक्ज़िट देरी से करने के लिए कहा। यह इस बात पर सवालिया निशान लगाता है कि क्या ब्रेक्ज़िट 29 मार्च को होगा या नहीं।

इस डील में क्या है?

बीबीसी समाचार वेबसाइट पर एक व्याख्याता विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते है:

भुगतान:-यह उन भुगतानों से संबंधित है जो यूके यूरोपीय संघ के बजट में मदद करता है। छोड़ने के अपने वित्तीय दायित्वों के रूप में, यूके संक्रमण अवधि (Transition Period) के अंत तक इन भुगतानों को जारी रखने के लिए सहमत हो गया है और बिल 39 मिलियन पाउंड होने की उम्मीद है। हालांकि, वापसी समझौता, संक्रमण अवधि के विकल्प को बढ़ाता है। यदि ऐसा होता है, तो बाद में सहमति देने के लिए अतिरिक्त भुगतान करने होंगे।

आयरिश बैकस्टॉप:- बैकस्टॉप सबसे विवादास्पद मुद्दा है। यह वापसी समझौते का हिस्सा है, जिसका मतलब यह सुनिश्चित करना है कि आयरलैंड गणराज्य (जो यूरोपीय संघ में रहेगा) और उत्तरी आयरलैंड (जो यूके का हिस्सा है) के बीच कोई सीमा नहीं रहेगी। यदि संक्रमण की अवधि व्यापक समझौतों तक पहुँचने के बिना समाप्त हो जाती है तो बैकस्टॉप प्रभाव में आ जाएगा। वापसी समझौते के तहत, यह उत्तरी आयरलैंड को यूरोपीय संघ के सीमा शुल्क संघ में रखेगा। इससे ब्रिटेन के एक हिस्से के बैकस्टॉप में फंसने को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अन्य बॉर्डर:- संक्रमण काल के दौरान, यूरोपीय संघ के नागरिक यूके में रहने और काम करने के लिए स्वतंत्र होंगे। एक बार अवधि समाप्त होने के बाद, यह आव्रजन पर अपने स्वयं के नियम स्थापित करने में सक्षम होगा। पीएम का दावा है कि ब्रिटेन अपनी सीमाओं का 'नयंत्रण वापस लेगा'। यदि संक्रमण की अवधि जारी रहती है, तो यूरोपीय संघ के नागरिक यूके जाने में सक्षम होंगे।

कानून:- अभी तक, यूरोपीय संघ के कानूनी मामलों के विवादों पर यूरोपीय न्यायालय ने अंतिम फैसला सुनाया है। ब्रेक्ज़िट समर्थक चाहते हैं कि अंतिम फैसले की शक्ति यूके की अदालत के पास हो। ऐसा इसलिए, क्योंकि संक्रमण के दौरान, यूके को यूरोपीय संघ के नियमों का पालन करना और ईसीजे के नियमों का पालन करना होगा।

आगे की राह?

कई संभावनाएं हैं, जिनमें से पहला यह है कि यूरोपीय संघ को लिस्बन संधि के अनुच्छेद 50 के विस्तार के लिए सहमत करना होगा, जिसका अर्थ है कि अधिक समय मांगना। इसके लिए निवेदन 21-22 मार्च को यूरोपीय संघ के शिखर सम्मेलन में किया जाएगा। यदि प्रधानमंत्री संक्षिप्त विस्तार के लिए कहती हैं और सभी यूरोपीय संघ के सदस्य देश इस पर अपनी सहमती देते हैं, तो ब्रेक्ज़िट अभी भी शेड्यूल के अनुसार हो सकता है। दूसरी ओर, यदि थेरेसा मे एक लंबी विस्तार की मांग करती है और सभी यूरोपीय संघ के सदस्य सहमत होते हैं, तो ब्रेक्ज़िट को मई में यूरोपीय संघ के संसद चुनावों से परे विलंबित किया जा सकता है (ब्रिटेन के भाग लेने के साथ)। यदि यूरोपीय संघ अनुरोध को ठुकरा देता है, तो यह 'नो डील' ब्रेक्सिट का कारण बन सकता है।

"नो डील" विकल्प कैसे काम करता है?

यूरोपीय संघ के अन्य 27 देशों से समझौते की आवश्यकता के बिना, यूके को एकतरफा रूप से ब्रेक्ज़िट को रद्द करना कानूनी होगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इसकी प्रक्रिया क्या होगी।

यूके कब तय करेगा कि उसे लंबा या छोटा विस्तार लेना है या नहीं?

सरकार ने कथित तौर पर इस सप्ताह एक और वोट रोकने की योजना बनाई है। यदि अध्यक्ष वोट की अनुमति देता है, तो पीएम इसे संक्षिप्त ब्रेक्ज़िट विलंब के साथ समझौता पारित करने या इसे अस्वीकार करने और लंबे समय तक विस्तार का सामना करने के बीच एक विकल्प के रूप में पेश कर सकता है। सफल होने पर, पीएम यूरोपीय संघ के शिखर सम्मेलन में जा सकते हैं और लघु विस्तार का अनुरोध कर सकते हैं।

क्या होगा यदि अनुरोध लंबे समय तक विस्तार के लिए है और यूरोपीय संघ इससे सहमत है?

देरी कई संभावनाओं का निर्माण करेगी। 'नो डील' की संभावना बनी रहेगी, लेकिन ऐसा बाद में होगा। अगर यूरोपीय संघ इस समझौते को फिर से लागू करने के लिए सहमत हो जाता है, तो ब्रिटेन की संसद को इसे समझाने की आवश्यकता होगी। यदि इनमें से कुछ भी नहीं होता है, तो विभिन्न संभावनाएं ('नो डील' के अलावा), बीबीसी समाचार वेबसाइट पर सूचीबद्ध हैं:

संदर्भ:- जब संसद ने यूरोपीय संघ से देरी के लिए पूछने के लिए मतदान किया, तो उसने एक नए जनमत संग्रह को भी खारिज कर दिया। हालांकि,बीबीसी समाचार बताते हैं कि एक जनमत संग्रह संभव है, लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है। यह निर्धारित किए जाने वाले प्रश्न के साथ एक गैर-बाध्यकारी जनमत संग्रह हो सकता है।

संसद चुनाव:- यदि कोई चुनाव होता है, तो पीएम नए निर्वाचित सदन में जनादेश की उम्मीद करेंगे। अगर वह चुनाव का प्रस्ताव रखती है, तो उसे दो-तिहाई सांसदों के अनुमोदन की आवश्यकता होगी।

अविश्वास प्रस्ताव:- अगर सरकार प्रस्ताव पास नहीं करा पाती है, तो यह नई संभावनाओं का निर्माण करेगा। जिसके बाद 14 दिनों का समय दिया जाएगा। इस अवधि के दौरान या तो वर्तमान सरकार या एक नए सरकार को विश्वास मत का सामना करना पड़ेगा। यदि दोनों में से कोई एक जीतता है, तो वह जीत जायेगा। यदि नहीं, तो एक आम चुनाव कराया जायेगा।

थेरेसा मे कंजरवेटिव पार्टी से हैं, जो लेबर पार्टी के विरोध में हैं, लेकिन ये यह नहीं दर्शाती है कि मतदाता ब्रेक्ज़िट से कैसे संबंधित हैं।

ब्रेक्जिट

क्या है?

- यह मुख्यत: दो शब्दों ब्रिटेन (Britain) और एग्जिट (Exit) से मिलकर बना है, जिसका अर्थ ब्रिटेन का यूरोपीय संघ (European Union-EU) से बाहर निकलना है।
- ब्रिटेन की जनता ने ब्रिटेन की पहचान, आजादी और संस्कृति को बनाए रखने के उद्देश्य से यूरोपीय संघ से बाहर जाने का फैसला लिया।
- यूरोपीय संघ (निकासी) विधेयक के कानून बन जाने के उपरांत इसने 2017 के यूरोपीय समुदाय अधिनियम का स्थान ले लिया है।
- 29 मार्च, 2019 तक ब्रिटेन को यूरोपीय संघ छोड़ देना है। ब्रेक्जिट डे यानी 29 मार्च, 2019 से ब्रिटिश कानून ही मान्य होंगे।
- 29 मार्च, 2019 से 21 महीने का संक्रमण चरण (Transition phase) शुरू होगा और यह दिसंबर 2020 के अंतिम दिन खत्म होगा।
- यूरोपीय यूनियन से ब्रिटेन के अलग होने के समझौते के लिये तैयार मसौदे को ब्रेक्जिट ड्राफ्ट डील कहा जा रहा है।

बाहर निकलने की मांग क्यों?

1. सदस्यता शुल्क

- ईयू हर साल सदस्यता शुल्क के तौर पर ब्रिटेन से बिलियन ऑफ पाउंड लेता है तथा बदले में उसे बहुत कम राशि मिलती है।
- यह राशि लगभग 13 बिलियन पाउंड है, जो दूसरे देशों की अपेक्षा काफी अधिक है।
- सदस्यता के लिये ईयू के सभी 28 देश कुछ-न-कुछ राशि EU को देते हैं, लेकिन ब्रिटेन के लिये यह राशि काफी अधिक है और बदले में उसे सिर्फ 7 बिलियन यूरो वापिस मिलते हैं। अत: UK (ब्रिटेन) को काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

2. प्रशासनिक अड़चन

- UK में कोई भी प्रशासनिक कार्य करने के दौरान काफी अड़चनें आती हैं। बहुत अधिक डॉक्यूमेंटेशन तथा बहुत सारे कार्यालयों द्वारा काम होता है। कई सारी प्रणालियाँ हैं, जिनको पूरा करना पड़ता है।
- तमाम ऐसे प्रतिबंध हैं, जिनसे UK के विकास में रुकावट आ रही है तथा यूरोपीय यूनियन UK को पीछे ढकेल रही है, उसे आगे बढ़ने से रोक रही है।

3. स्वायत्तता

- लोगों का कहना है कि ईयू इंग्लैंड को उसके अधिकारों और स्वयं कानून बनाने से वंचित कर रहा है। खासतौर से फिशरीज से संबंधित कानून।
- UK के चारों ओर फिशरीज इंडस्ट्री काफी विकसित है और इस उद्योग को लेकर नियम-विनियम ईयू के द्वारा बनाए जाते हैं।
- ईयू की संसद तय करती है कि UK के मछुआरे कितनी मात्रा में मछली पकड़ सकते हैं तथा एक्सपोर्ट रेट क्या रहेगा।

4. अर्थव्यवस्था

- अगर यूरोपीय यूनियन से UK अलग हो जाता है, तो वह अपने आपको फाइनेंसियल सुपर पॉवर बना सकता है क्योंकि लंदन को पहले से ही वित्तीय राजधानी कहा जाता है। वहाँ का वित्तीय बाजार दुनिया के बड़े बाजारों में से एक है।
- जबकि ईयू द्वारा UK को ऐसा करने से रोका जा रहा है।

5. इमीग्रेशन

- यह एक बड़ा मुद्दा है क्योंकि सीरिया में सिविल वार के चलते काफी संख्या में अप्रवासी भागकर यूरोप आ रहे हैं।
- इमीग्रेशन नीति भी ईयू तय करता है, न कि UK, अगर वह ईयू से हट जाता है तो उसे अपनी खुद की इमीग्रेशन नीति तय करने का अधिकार होगा।

बाहर निकलने की प्रक्रिया?

- ईयू से बाहर निकलने की प्रक्रिया लिस्बन ट्रीटी (Lisbon Treaty) के आर्टिकल 50 में दी गई है। इस आर्टिकल को लागू करना होगा। अगर एक बार आर्टिकल 50 लागू हो जाए तो फिर उसे वापस तभी लिया जा सकता है जब सभी सदस्य देश इसके लिये सहमत हों।
- सदस्यता छोड़ने की शर्तों पर 27 सदस्य देशों की संसदों की सहमति लेनी जरूरी है जो एक लंबी प्रक्रिया है।
- लिस्बन ट्रीटी ईयू को स्थापित करने वाली कुछ प्रमुख संधियों में से एक है। यह 2009 में लागू की गई थी।
- ईयू से बाहर निकलने के लिये दो साल का नोटिस पीरियड दिया जाना जरूरी होता है और यह उस दिन से शुरू माना जाएगा जब UK की संसद बाहर निकलने के फैसले को स्वीकृत कर देगी।
- बाहर जाने के बाद अगर कोई देश दोबारा ईयू में शामिल होना चाहता है तो उस पर विचार किया जा सकता है। दोबारा शामिल होने जैसे प्रस्तावों पर आर्टिकल 49 के तहत विचार किया जाएगा।

भारत पर प्रभाव

- सिर्फ ब्रिटेन में 800 भारतीय कंपनियाँ हैं। जिनमें 1 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। भारतीय आईटी कंपनियों की 6 से 18 प्रतिशत कमाई ब्रिटेन से होती है।
- भारत में कुल एफडीआई का 8 प्रतिशत हिस्सा UK से आता है। इसका असर भारत के कारोबार पर कम पड़ेगा लेकिन ब्रिटेन के साथ अलग से व्यापारिक समझौते करने पड़ेंगे।
- भारतीय कंपनियों की ब्रिटेन में रुचि की एक बड़ी वजह

यह है कि ब्रिटेन के रास्ते भारतीय कंपनियों की यूरोप के 28 देशों के बाजार तक सीधी पहुँच हो जाती है।

- यूरोप के देशों से भारत को नए करार करने होंगे। इससे कंपनियों के खर्च में इजाफा होगा। साथ ही हर देश के नियम-कानूनों का भी पालन करना होगा।
- ब्रेक्जिट के बाद जिन भारतीय कंपनियों ने ब्रिटेन में पैसा लगाया है उनकी बैलेंसशीट पर सीधा असर पड़ेगा।
- ब्रिटेन पर दाँव लगाने वाली कुछ बड़ी भारतीय कंपनियाँ हैं-टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, भारत फोर्ज, मदरसन सुमी,

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. ब्रिटेन का यूरोपीय संघ से बाहर निकलना ब्रेक्ज़िट कहलाता है।
2. यूरोपीय यूनियन 29 देशों की एक आर्थिक और राजनीतिक साझेदारी है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

1. Consider the following statements :-

1. The exist of Britain from EU is called Brexit.
2. European Union is an economic and political partnership of 29 countries.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्नः ब्रेक्जिट के समक्ष क्या-क्या बाधाएं आ रही हैं तथा इसका यूरोपीय परिदृश्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा? स्पष्ट कीजिए।

(250 शब्द)

Q. Which hurdles are present in front of Brexit and how it will affect the European scenario? Elucidate.

(250 Words)

नोट : 16 मार्च को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(c) होगा।

Committed to Excellence